



番手絶好

◎信頼度65%

1→6-572
1→7-652
1-5-672
1-2-674
7-2-164

距離踏み脚に刺激入った福田は、快速捲りで大崎と逆転目指す。



菅谷隆司
菅谷は寸前で捕らえて連勝。長い小笠原がきつ

◆⑥が果敢に突っ張って①は別線の反撃を阻止

周回 6153 724
最終B S 6153 724

7車立て
←7書2退4退
6153 724

氏名インタビュー
別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

昇班初戦を見事に押し切った小笠原。ラインは長く菅谷が最内枠なら、正攻法からの突っ張り先行で

別線に隙を与えない。菅谷は車間空けつつ寸差し。

△		○		△		...		...		△		○		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△		...		...		△			
---	--	---	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	---	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	-----	--	-----	--	---	--	--	--